वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए. एक्स्टर्नल

हिन्दी

(2022-2023, 2023-2024, 2024-2025 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 3.हिन्दी काव्य (मुख्य और गौण)

(Core Co. 03 - Elective Co. - 03) (Total Marks –100)

पाठ्य पुस्तक : 1.छायावादी काव्य वैभव-संपा.डॉ.बी.के.कलासवा (शांति प्रकाशन, अहमदाबाद)

2.भस्मांकुर – नागार्जुन (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. छायावाद का सामान्य परिचय।

सूर्यकांत त्रिपाठी-जागो फिर एक बार, वह तोड़ती पत्थर, जुही की कली, संध्या सुंदरी।

सुमित्रानंदन पंत-प्रथम रश्मि, भारत माता, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र,

बापू के प्रति- कविताओं का अध्ययन।

इकाई -2. जयशंकर प्रसाद- बीती विभावरी, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, भारतदेश, मेरे नाविक।

महादेवी वर्मा-मैं नीर भरी दुःख की बदली, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल,बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी,मैं बनी मधुमास आली- कविताओं का अध्ययन।

इकाई -3. नागार्जुन का व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खण्डकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण,'भस्मांकुर' की कथावस्तु।

इकाई -4. 'भस्मांकुर' के पात्र : कामदेव, रति का चरित्र चित्रण , 'भस्मांकुर' में पौराणिक प्रसंग - वर्णन।

'भस्मांकुर' में मौलिकता एवं आधुनिकता ।

इकाई -5. 'भस्मांकुर' में संवाद - योजना, 'भस्मांकुर' में देशकाल का चित्रण, 'भस्मांकुर': शीर्षक की सार्थकता।।

'भस्मांकुर' काव्य का उद्देश्य , 'भस्मांकुर' का कला-पक्ष,'भस्मांकुर' में वर्णित रस ।

अंक-विभाजन – इकाई 1,2,3 और 4 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)

इकाई 5 से दो टिप्पणी के प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथः

१. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
२. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
३. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
४. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
६. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
७. हिन्दी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन - संपा. डॉ. यश गुलाटी

Date: 06/05/2022

८. हिन्दी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
९. हिन्दी साहित्य में रूपक कथा – काव्य: उद्भव और विकास – डॉ. नूरजहाँ बेगम
१०. हिन्दी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य– डॉ. कविता शर्मा (पार्श्व पब्लिकेशन,अहमदाबाद)
११. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा
१२. नयी कविता की प्रबंध – चेतना – डॉ. महावीरसिंह चौहान
१३. आधुनिक प्रबंधकाव्य : संवेदना के धरातल – संपा. डॉ. विनोद गोदरे
१४. नई कविता के रूप – रेनू दीक्षित
१५. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1-2 – डॉ. गणपति चन्द्र सिंह

****

प्रश्नपत्र – 4. हिन्दी उपन्यास और नाटक (मुख्य और गौण)

(Core Course. 04 - Elective Course. - 04) (Total Marks –100)

पाठ्य पुस्तक : 1. झूलानट-मैत्रेयी पुष्पा (राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली)
2.ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद (राजपाल एन्ड सन्स, नई दिल्ली)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

इकाई -1. मैत्रेयी पुष्पा का साहित्यिक परिचय
'झूलानट' में चित्रित समस्याएँ ।
'झूलानट' उपन्यास का कथानक।

इकाई - 2. 'झूलानट' उपन्यास के मुख्य पात्र-बालकिशन, शीलो, अम्मा का चरित्र -चित्रण।
'झूलानट' उपन्यास के गौण पात्र-सुमेर,कांता आदि का चरित्र-चित्रण।

इकाई - 3. जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व,'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का कथानक,
'ध्रुवस्वामिनी' में नाटककार की कल्पना और इतिहास,
समस्या नाटक के रूप में 'ध्रुवस्वामिनी' ।

इकाई - 4. 'ध्रुवस्वामिनी' के मुख्य पात्र- ध्रुवस्वामिनी, रामगुप्त एवम् चंद्रगुप्त।
गौण पात्र-शकराज, कोमा, मंदाकिनी की चारित्रिक विशेषताएँ ।

इकाई - 5 (अ) 'झूलानट' उपन्यास में संवाद-योजना, 'झूलानट' उपन्यास में वातावरण-योजना।
'झूलानट' उपन्यास की भाषा-शैली, 'झूलानट' उपन्यास का उद्देश्य,
'झूलानट': शीर्षक की सार्थकता।
(ब) 'ध्रुवस्वामिनी' के संवाद, 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में देशकाल और वातावरण ।
'ध्रुवस्वामिनी' का उद्देश्य, 'ध्रुवस्वामिनी' के शीर्षक की सार्थकता,
'ध्रुवस्वामिनी' की भाषा-शैली, 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में अभिनेयता ।

अंक-विभाजन – इकाई 1,2,3 और 4 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)

इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी के प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

Date: 06/05/2022

१. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
२. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – डॉ. शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
३. उपन्यास-स्थिति और गति (प्रथम खण्ड) – चन्द्रकांत बांडिवडेकर
४. समकालीन हिन्दी साहित्य-विविध विमर्श – संपा. श्रीराम शर्मा
५. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य – विजयमोहन सिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
६. मैत्रेयी पुष्पा और उनका झूलानट-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन,अहमदाबाद)
७. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
८. रंगमंच और जयशंकर प्रसाद के नाटक-डॉ.रीतारानी पालीवाल (साहित्य निधि, दिल्ली)
९. हिन्दी नाटक-डॉ.बच्चनसिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१०. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन-डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा (सरस्वती मंदिर, वाराणसी)
११. जयशंकर प्रसाद – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
१२. प्रसादः नाट्य और रंग शिल्प-डॉ.गोविन्द चातक (आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली)
१३. जयशंकर प्रसाद-डॉ.रमेशचंद्र शाह (साहित्य अकादमी, दिल्ली)
१४. प्रसाद के नाटक-डॉ.सिद्धनाथ कुमार (दि मैकमिलन कम्पनी ऑफ इंडिया, दिल्ली)
१५. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक-जगदीश चंद्र जोशी, सरस्वती पुस्तक सदन,मोतीकटरा, आगरा
१६. प्रसाद के नाटक-परमेश्वरी लाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय
१७. हिन्दी नाटक EHD-01 हिन्दी गद्य (इंदिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय)

****

प्रश्नपत्र – 5. हिन्दी साहित्य का इतिहास (मुख्य)

(Core Course-05, Total Marks-100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र –

इकाई – 1. साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण।
आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, आदिकालीन परिस्थितियाँ।
भक्तिकाल की मुख्य प्रवृत्तियाँ, भक्तिकाल की मुख्य - धाराएँ।

इकाई – 2. रीति काल : शब्द, नामकरण, रीति बद्ध, रीति मुक्त, रीति सिद्ध- धाराओं का सामान्य परिचय, रीति काल की प्रमुख विशेषताएँ।
केशवदास, देव, बिहारी, घनानंद, आलम तथा भूषण का साहित्यिक परिचय।

इकाई – 3. भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ, द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ , छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ , प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ । प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई – 4. उपन्यास, नाटक, कहानी और समालोचना का उद्भव और विकास।

इकाई – 5. (अ) पद्मावत, रामचरित मानस तथा सूरसागर का परिचय।

(ब) जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' रामधारी सिंह 'दिनकर', मैथिलीशरण गुप्त तथा अज्ञेय' का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन- इकाई 1,2,3 और 4 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)

इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी के प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

Date: 06/05/2022